CMYK

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में सोमवार
सायं 7:15 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में मंगलवार
सुबह 5:20 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 16 अंक 24 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | सोमवार, 8 जुलाई 2024

लगातार बारिश से जन-जीवन...पेज-4 पर

News कॉर्नर

माल रोड पर व्यक्ति मृत अवस्था में मिला

नैनीताल। नगर के माल रोड स्थित पालिका के पुस्तकालय के सामने रविवार को एक व्यक्ति मृत अवस्था में मिला। पुलिस के मुताबिक मृतक अजय पाल पुस्तकालय के सामने ही भुट्टे का फड लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था तथा वह समीपवर्ती दुर्गापुर क्षेत्र में रहता था। वह अपने पीछे पत्नी समेत चार बच्चों का भरा पूरा परिवार छोड़ गया है। पुलिस के मुताबिक अजय पाल की मौत कैसे हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

डॉ. महेंद्र पाल को अध्यक्ष व रितेश साह को सचिव चुना

नैनीताल । न्यू क्लब मल्लीताल (नैनीताल) की रविवार को हुई वार्षिक बैठक में सर्वसम्मति से पुन: पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. महेंद्र पाल को अध्यक्ष व रितेश साह को सचिव चुना गया । इस अवसर पर क्लब का वार्षिक लेखा जोखा एवं सीए की रिपोर्ट सचिव रितेश साह द्वारा सभी के सम्मुख रखी गयी। इस अवसर पर जी एल साह, योगेश साह,राजीव लोचन साह, दिग्विजय साह, कुन्दन बिष्ट, आलोक चौधरी, पूरन बिष्ट तथा शैलेंद्र चौधरी आदि उपस्थित थे।

अंतोदय और प्राथमिक राशन कार्ड धारकों को क किलो नमक आठ रुपये में

नैनीताल। मुख्यमंत्री नमक पोषण योजना के तहत जुलाई माह में सभी अंतोदय और प्राथमिक राशन कार्ड धारकों को हर माह एक किलो नमक आठ रुपये में दिया जाएगा। जनपद में 115023 प्राथमिक राशन कार्ड (सफेद) और 17834 तथा अन्तोदय (गुलाबी)राशनकार्ड धारक हैं। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विजय जोशी ने बताया कि जनपद की 667 राशन की दुकानों में सभी अंतोदय और प्राथमिक राशन कार्ड धारकों के लिए नमक आ गया है।

रुद्रपुर से अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

रुद्रपुर के श्रद्धालुओं का जत्था विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के उपरांत यात्रा के लिए रवाना हो गया। वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने हरी झंडी दिखाकर भोला बाबा के भक्तों को रवाना किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। 90 यात्रियों का जत्था रविवार शाम दुर्गा मंदिर में एकत्र हुआ जहां उन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना की और भोले बाबा के जयकारों के साथ वह अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हो गया ।अमरनाथ सेवा मंडल के अध्यक्ष अजय चड्ढा और महामंत्री मनीष चुघ ने बताया कि अमरनाथ सेवा मंडल के तत्वावधान में

यह 22वीं यात्रा है और भोले बाबा की कृपा से सभी यात्राएं सुखद रही है ।उन्होंने कहा की नौ जुलाई को वह दिल्ली से रवाना होंगे और 12 जुलाई से अमरनाथ यात्रा प्रारंभ कर देंगे। उन्होंने बताया कि माता वैष्णो देवी सोमवार को 12 बजे पहुंचेंगे और गरीब रथ से यात्रा समाप्त करने के उपरांत रुद्रपुर रेलवे स्टेशन श्रद्धालु पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि अमरनाथ सेवा मंडल महाशिवरात्रि के पर्व पर विशाल भंडारे और जागरण का आयोजन पिछले कई वर्षों से करता आया है और इस बार भी विशाल जागरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री अमरनाथ यात्रा करना सौभाग्य की बात है देश के जवान ऐसी कठिन यात्रा में सभी श्रद्धालुओं की हिफाजत करते हैं । अमरनाथ यात्रा में राजकुमार खनिजो, महेश छाबड़ा, गुलशन छाबड़ा,मंदिर समिति अध्यक्ष रेनू अरोरा, सनी बब्बर, किशन नारंग, निशांत ढल्ला, अजय लूथरा, सुरेश छावड़ा, राजीव मिडडा,अर्पित पाल, सुमित घई, लक्ष्य अरोड़ा, प्रेम अरोड़ा, रमेश कालरा, हिमांशु, संदीप मिश्रा,आशा अग्रवाल ,अंजू छाबड़ा,दिव्यांशी अरोड़ा, तरुण चूघ,मनोज मदान,राज कोली समेत 90 श्रद्धालु शामिल हैं।

बोले- दोस्त पुतिन के साथ सहयोग पर समीक्षा को तैयार

तीन दिवसीय रूस दौरे पर रवाना प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली

एजेंसी

मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हैं। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना हो गए। इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में आगे बढ़ी है।

मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा, मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूं। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। उन्होंने ऑस्ट्रिया को भारत

का दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार बताया। पीएम मोदी ने कहा, हम लोकतंत्र के आदर्शों को साझा करते हैं। मैं नए क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने की आशा करता हूं। पीएम मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री तीन दिन रूस और ऑस्ट्रिया में रहेंगे। उनकी ये यात्राएं उन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का अवसर है, जिनके साथ भारत की परखी हुई दोस्ती है। उन्होंने कहा, मैं इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

नैनीताल में ऑल सेंट्स कॉलेज में थैंक्स गिविंग डे का आयोजन किया गया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नगर के प्रतिष्ठित ऑल सेंट्स कॉलेज में रविवार को थैंक्स गिविंग डे का आयोजन किया गया। बता दें कि वर्ष 1869 में 7 जुलाई के दिन ही विद्यालय की नींव रखी गयी थी और इस महत्वपूर्ण क्षण को याद करने व इसके लिये ईश्वर के प्रति धन्यवाद देने के लिए आज के दिन विद्यालय से जुड़े सभी लोगों ने इस दिन को थैंक्स गिविंग दिवस के रूप मे मनाया।

थैंक्स गिविंग सर्विस के दौरान विद्यालय की वर्तमान प्रधानाचार्या किरन जरमाया ने प्रभु को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पवित्र ग्रंथ बाइबल से आशीर्वचन पढ़े और विद्यालय के भविष्य की मंगलकामना की। साथ ही उन्होंने विद्यालय को देश.विदेश मे प्राप्त ख्याति के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया और कहा कि पूर्वजों से अमूल्य विरासत के रूप मे मिले इस विद्यालय पर सभी को गर्व करना चाहिए। विद्यालय के पास्टर जॉर्ज मुन्नवर ने अध्यापकों से प्रभु यीशु की तरह सभी बच्चों का प्रेम की भावना से स्वागत

कर उन्हे सरल स्वभाव से निष्पक्ष होकर सीख देने का एहवान किया। साथ ही उन्होंने छात्राओं से कहा कि उन्हें पूर्वजों के ऊर्जावान तथा साहसी व लोकोन्मुख जीवनशैली से सीख लेनी चाहिए। इस दौरान पवित्र ग्रंथ बाइबिल से अशीर्वचन पढ़े गए और ईश्वर की स्तुति मे गीत भी गाये गए। साथ ही विद्यालय के क्राएर द्वारा प्रभु के लिए किये गए सामूहिक गान ने अनूठा समां बाँधा। शिक्षिका सुनीता चौहान और ज्योतिका गिल ने विद्यालयए अपने प्रदेश व देश की उन्नति के लिए मध्यस्थता प्रार्थना की। इस दौरान ऑल सेंट्स कॉलेज की प्रधानाचार्या जरमाया सहित पास्टर जॉर्ज मुन्नवर, ऑल सेंट्स कॉलेज की छात्राएं तथा शिक्षक गण व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल महिला की हल्द्वानी में अस्पताल पहुंचते ही मौत, चालक के खिलाफ मुकदमा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

घटना

- सुशीला तिवारी अस्पताल में इलाज चल रहा था

थाना पंतनगर क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल महिला ने सुशीला तिवारी अस्पताल ले गए। वहां पहुंचते ही मां ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

पंतनगर क्षेत्र की संजय कालोनी निवासी (रियाजुद्दीन अंसारी पुत्र स्वं मुख्तार अंसारी ने पुलिस को बताया कि 14 जून 24 को दोपहर 12 से 1 बजे के बीच मां रुसायदा खातून घास लेकर पन्तनगर गैस गोदाम से आ रही थी। तभी तेज गति से स्वीफ्ट कार से आज्ञात व्यक्ति ने गोविन्द बल्लभ पन्त गेट मुख्य द्वार के सामने बाईपास रोड पर टक्कर मार दी थी। घटना के बाद चालक मौके से मय के भाग गया। बताया कि मां को तत्काल रुद्रपुर सरकारी अस्पताल ले गये। वहां पर चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पर पहुंचते ही उनकी मृत्यू हो गई। मृतका के पुत्र ने पुलिस से चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं को भी प्राथमिकता से उठाया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सेवानिवृत राजकीय पेन्शनर्स कल्याण एसोसिएशन नैनीताल के रविवार को आयोजित अधिवेशन में मंजू बिष्ट को अध्यक्ष तथा बहादुर सिंह बिष्ट को सचिव चुना गया। अधिवेशन में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं को भी प्राथमिकता से उठाया गया।

बता दें कि राजकीय जूनियर हाईस्कूल मल्लीताल के सभागार में आयोजित अधिवेशन में पेंशनरों ने कई समस्याओं पर सरकार से कार्रवाई किए जाने का निवेदन किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष गंगा राम तथा सचिव उमेश चंद्र जोशी ने अपने कार्यकाल में की गयी उपलब्धियों को प्रमुखता से रखा। उसके उपपन्त पेन्शनर्स संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

कार्यकारिणी का गठन मुख्य चुनाव

अधिकारी तथा सेवानिवृत वरिष्ठ कर्मचारी नेता गिरीश चंद्र उप्रेती की देखरेख में तथा युवा कर्मचारी नेता जगमोहन रौतेला ने सहयोग से किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी श्री उप्रेती ने बताया कि अध्यक्ष मंजू बिष्ट, बरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चंद्र जोशी तथा उपाध्यक्ष चंद्रकांता खोलिया तथा सचिव बहादुर सिंह बिष्ट, संयुक्त सचिव एन0बी0 पन्त,कोषाध्यक्ष यतीन्द्र कुमार साह,संप्रेक्षक होशियार सिहं मेहरा जबकि संगठन के कार्यकारिणी सदस्य के रुप में के0 एस0 कार्की को मनोनीत किया गया। अधिवेशन में गिरीश चन जोशी, मिथिलेश पाण्डे, ललित पांडे, दीपक साह,पान सिंह रौतेला, असलम अली,केदार सिंह राठौर, केसी उपाध्याय, गंगा राम, मुन्नी थापा, मधु नयाल, विनीता विष्ट, लक्ष्मण सिंह नेगी, कुंवर सिंह जलाल, पुष्कर सिंह विष्ट, ए0 आर, आर्या, हेमलता जोशी, एच.एस. भैसौड़ा, एच. एस मेहरा, नरेंद्र सिंह रावत, निर्मल पांडे, चंद्र बल्लभ पंत तथा एल.के.ठुस्सू समेत आदि पेंशनर्स व आमंत्रित जन मौजूद थे।

BLM Blooming Buds
(A Unit of BLM Academy Sr. Sec. School)
Celebrate The Gift of Life

पश्चिमी ओखलढूंगा कक्ष संख्या 11 में वन महोत्सव मनाया गया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल वन प्रभाग के तहत बढ़ौन वन क्षेत्र अनुभाग पश्चिमी ओखलढूंगा कक्ष संख्या 11 में वन महोत्सव मनाया गया,जिसमें मुख्य अतिथि हरेन्द्र सिंह बोरा (सरपंच पनियाबोर) द्वारा पौध रोपण कर वन महोत्सव का शुभारम्भ किया गया।

इस मौके पर वन क्षेत्राधिकारी नितिन पंत के द्वारा पौधे रोपित कर पौधरोपण का महत्व तथा पौधों से होने वाले प्रत्यक्ष तथा परोक्ष लाभों के बारे में जानकारी दी गयी एव समस्त ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौध रोपण करने की अपील की गई। वन महोत्सव के दौरान आँवला, बाँज, क्वैराल, जामुन तथा तथा पुतली के पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव में ग्राम वासियों व वन कर्मचारी वन दरोगा दिनेश गोस्वामी, वन आरक्षी तरूण भट्ट, सचिन वर्मा तथा वन बीट वाचर चन्द्र मोहन सिंह बिष्ट समेत मान सिह सम्भल, यागेश बेलवाल तथा डुंगर सिंह व भीम सिह ने पौध रोपण कार्य में सहयोग दिया।

कई स्थानों में बोल्डर गिरने से मार्ग वाहनों के लिए बंद

नैनीताल

हमारे संवाददाता

जिले का नैनीताल-बसानी मोटर मार्ग भारी बरसात के चलते कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुका है वहीं कई स्थानों में बोल्डर गिरने से मार्ग वाहनों के लिए बंद हो चुका है। बारिश के दौरान सड़क में मलबा व पत्थर गिरने का खतरा बना हुआ है। बता दें कि बीते वर्ष बरसात में क्षतिग्रस्त देवीधुरा बसानी मोटर मार्ग मरम्मत से पहले ही दोबारा क्षतिग्रस्त होने लगा है। बीते चार दिन से लगातार बारिश के चलते सड़क में कई स्थानों पर मलबा गिर चुका है साथ ही सड़क टूट चुकी है। लेकिन रविवार को रातभर बारिश के चलते देवीधुरा पापड़ी के बीच पहाड़ी में भूकटाव होने से सड़क में बड़े बोल्डर गिर गए। वहीं कई स्थानों पर पहाड़ी से मलबा गिरकर सड़क में पहुंच चुका है। मलबा व बोल्डर गिरने से सड़क में वाहनों की आवाजाही बंद हो चुकी है। जिसके चलते स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार ने बताया कि बारिश के दौरान सड़क में लगातार मलबा गिर रहा है। जिसको साफ करने के लिए उक्त सड़क में दो जेसीबी मशीनें तैनात की गई हैं। सड़क से बोल्डर व मलबा हटा दिया जाएगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2015 की अंकतालिका, अनुक्रमांक नंबर 15138996 जो वास्तव में कहीं खो गई है। - **निशा चौहान पुत्री लक्ष्मण सिंह चौहान कोहली कालोनी पोस्टआफिस हरिपुर नायक हल्द्वानी, नैनीताल**

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। -संपादक

पूर्व प्रधान संपादकः
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **श्रीमती आदेश अग्रवाल** द्वारा उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्सः05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

डेस्टिनेश

वैश्विक स्तर पर उत्तराखंड की पर्यटन क्षमता को वि

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड समय के साथ परिवर्तनकारी विकास का साक्षी बन रहा है। अत्याधुनिक रोपवे परियोजनाओं के साथ-साथ रेलवे, सड़क और हवाई संपर्क की दिशा में प्रगति हो रही है। इससे उत्तराखंड में यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव न केवल पर्यावरण अनुकूल हैं, बल्कि कुशल परिवहन भी सुनिश्चित करते हैं। ये राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। आध्यात्मिक, रोमांचक और सांस्कृतिक पर्यटन के प्रभाव के चलते यह दुनिया भर के आगंतुकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। हम सतत विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए एक समृद्ध कल की ओर देख रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर चलते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला रहे हैं

उत्तराखंड अपने प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की असीम क्षमताएं मौजूद हैं। इन क्षमताओं का विकास करने के लिए राज्य सरकार उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023-2030 को प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में इसका उद्देश्य उत्तराखंड की संभावनाओं को अवसरों में बदलते हुए सतत विकास को सुनिश्चित करना है। अपने सुरम्य पर्यटन स्थलों के लिए पहचाने जाने वाले उत्तराखंड को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में यह नीति सहायक साबित होगी। इस नीति के माध्यम से उत्तराखंड पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण तैयार किया जा रहा है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023-30 पर्यटन में सुधार लाने के साथ ही उत्तराखंड के विकास में योगदान देगी। इससे बुनियादी ढांचे के विकास व यात्रा के दौरान पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह नीति समग्र विस्तार को बढ़ावा देते हुए पर्यटन को सुविधाजनक बनाएगी। विरासत और प्रकृति पर्यटन से लेकर जंगल के रोमांच और वेलनेस रिट्रीट तक, राज्य हर पर्यटक को यादगार अनुभव देने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तराखंड में पीक सीजन के साथ ऑफ सीजन में भी पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जा रहा है, जिससे पूरे साल यहां पर्यटकों का आना जाना लगा रहे।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023-30 से उत्तराख विकास पर जोर दे रहा है। राज्य की प्राथमि पर्यटन हॉटस्पॉट को वैश्विक पहचान दिलाने विभिन्न स्तरों पर सार्थक प्रयास कि

पर्यटन नीति 2023-30 का अहम पहलू यह है कि यह उत्तराखंड की सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा को संरक्षित करने पर भी जोर देती है। इस क्रम में पर्यटन समूहों और सर्किटों को उनकी विशेषताओं के आधार पर नए गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह नीति राज्य के पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर भी जोर देती है। साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों, जंगल और सांस्कृतिक संपत्तियों को संरक्षित करने के उपाय इसमें शामिल हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्तराखंड वर्षों तक सुंदर और आकर्षक बना रहेगा।

डिजिटल युग के अनुरूप, उत्तराखंड प्रौद्योगिकी के साथ कदम ताल करते हुए यहां आने वाले सैलानियों को नया अनुभव देना चाहता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए विज्ञापन, बुकिंग और डेटा प्रसार के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग किया जा रहा है। इससे राज्य में आने वाले पर्यटकों को सुविधा देने के साथ उनका दिल भी जीता जा सके। इस नीति में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। सरकार ने आतिथ्य और पर्यटन उपक्रमों के लिए व्यापार करने में आसानी को प्रोत्साहित किया है। इससे नवाचार और विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023-30 पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों तक लाभ पहुंचाने के साथ-साथ पर्यावरण और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने पर विशेष जोर देती है। हब एंड स्पोक मॉडल सैलानियों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए संतुलित क्षेत्रीय विकास, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार की बात करता है।

उत्तराखंड
उद्देश्य राज
को सत
करना है। इ
टूरिस्ट डे
मदद मिल
सभी हित
पर ज

अर्थव्यवस्था में
का योगदान करने अ
के उद्यमशील लक्ष्यों
पारिस्थितिकी तंत्र क
संभावनाएं और विदे
है। पर्यटक-अनुकूल
गंतव्य विकसित कर
करने के लिए मुख्य
सरकार प्रयासरत है
साथ उत्तराखंड विश
पर्यटकों को लुभा र

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देती दीन दयाल उपाध्याय होमस्टे योजना

दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास विकास योजना उत्तराखंड सरकार द्वारा पर्यटन से जुड़े बुनियादी सुविधाओं में सुधार व स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में अहम पहल है।

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

उत्तराखंड सरकार ग्रामीणों को रोजगार के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करने और निवास के मूल स्थान से पलायन को रोकने पर ध्यान दे रही है और इसके लिए राज्य के सभी जिलों में होमस्टे को बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव सहायता दे रही है। दीन दयाल उपाध्याय होमस्टे योजना को दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास विकास योजना के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई वाली सरकार द्वारा पर्यटन के बुनियादी ढांचे में सुधार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक प्रमुख कदम है। इस योजना से उत्तराखंड के प्रसिद्ध और दूर दराज के इलाकों तक पर्यटकों की पहुंच बन रही है। वे यहां के अनजानी जगहों की सुंदरता को देख पा रहे हैं। इसमें यात्रा के दौरान उन्हें ठहरने के लिए स्वच्छ, उचित आवास प्रदान किया जाता है, जहां बेहतर सत्कार के साथ वे यहां की सांस्कृतिक अनुभव का भी लाभ उठा रहे हैं।

यह योजना मूल रूप से भारतीय और वैश्विक यात्रियों को उत्तराखंड को समझने का भी अवसर प्रदान करती है। स्थानीय आवासों में रहने से पर्यटक यहां की समृद्ध संस्कृति, रीति-रिवाजों और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले पाते हैं। इससे न केवल उनके अनुभव में बेहतर बनता है और क्षेत्रीय विरासत को समझ पाते हैं।

योजना का उद्देश्य स्वरोजगार की संभावनाएं प्रदान करना, स्थानीय लोगों की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाना, यात्रियों को उत्तराखंड की संस्कृति, भोजन और विरासत से परिचित कराना और स्थानीय रोजगार सृजित कर पलायन को रोकना है।

इसमें ऐसे मकान मालिकों को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाती है, जो अपने घरों को होमस्टे में बदलना चाहते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में घरों के लिए सरकार 33% या 10 लाख रुपये तक इन दोनों में जो भी कम हो, उस पूंजी पर सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, पहले पांच वर्षों के लिए ब्याज सब्सिडी की सुविधा दी जा रही है, जो ब्याज का 50% या 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष है, इन दोनों से जो भी कम हो, हो सकता है। वहीं, मैदानी इलाकों में पूंजी सब्सिडी 25% या 7.50 लाख रुपये तक दी जा रही है, जिसमें पहले पांच वर्षों के लिए 1 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की ब्याज सब्सिडी की सुविधा दी जाती है।

इसके तहत राज्य से मिलने वाली सहायता में पहले तीन वर्षों के लिए होमस्टे से प्राप्त राजस्व पर राज्य माल और सेवा कर (एसजीएसटी) की प्रतिपूर्ति और होमस्टे संचालकों के लिए आतिथ्य में प्रशिक्षण शामिल है। 30 लाख रुपये तक के व्यावसायिक ऋण के लिए बॉन्ड डीड पर व्यय की प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान है। इमारतों को उन्नत बनाने या संरक्षित करने और नए शौचालय बनाने के लिए 2 लाख रुपये की सीमा तक भूमि रूपांतरण की आवश्यकता नहीं है।

इसकी पात्रता के लिए विशिष्ट मानदंड हैं। इसमें गुणवत्ता पर जोर दिया जाता है। होम ओनर का अपने परिवार के साथ एक ही प्रतिष्ठान में रहना जरूरी होता है। यह भी जरूरी है कि वे 1 से 6 कमरे उपलब्ध करा सकें। यह योजना नगर निगम क्षेत्रों को छोड़कर पूरे राज्य में फैली हुई है और इसमें पारंपरिक या पहाड़ी शैलियों में निर्मित संरचनाओं को प्राथमिकता दी जाती है। होम स्टे योजना के तहत पंजीकरण कराना जरूरी होता है।

होमस्टेः आतिथ्य का नया रूप

होमस्टे में रहना राज्य के प्रसिद्ध हिमालयी आतिथ्य का अनुभव करने का सर्वोत्तम तरीका बन रहा है। इसमें स्थानीय परिवार सुसज्जित और बजट के अनुकूल आवास और सहायता प्रदान करते हैं, ताकि पर्यटक यहां की संस्कृति और रीति-रिवाजों से जुड़ सकें। उत्तराखंड के लोग बेहतरीन आतिथ्य के लिए जाने जाते हैं और वे सदियों पुरानी वैदिक प्रथा "अतिथि देवो भव" का पालन करते हैं, जिसका अर्थ है "अतिथि भगवान हैं।"

उत्तराखंड के कई जिलों में होमस्टे की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें मेहमानों को उत्तम सुविधा के साथ लोकल फूड और प्रकृति की गोद में बसे दूरदराज के मनोरम दृश्यों का आनंद उठाने का अवसर मिलता है। यहां के होमस्टे में सदियों पुरानी लकड़ी की 'हवेलियां' और पारंपरिक संरचनाओं से लेकर ग्रामीण झोपड़ियां व आधुनिक घर तक मिल सकते हैं।

वेडिंग डेस्टिनेशन के साथ हब के रूप में उभर रहा

उत्तराखंड का टिहरी जिला अपनी सुदंरता के अलावा वेडिंग डेस खेलों के लिए भी जाना जाने लगा है। यह यात्रियों की पहली

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभरता टिहरी

उत्तराखंड का सुंदर टिहरी जिला अब एक प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार के रणनीतिक विस्तार से जुड़े विभिन्न प्रयासों और हितधारकों के समर्थन से टिहरी ऐसे यादगार कार्यक्रमों के लिए एक उत्कृष्ट गंतव्य बन रहा है। अपनी शादी को हमेशा के लिए यादगार बनाने के लिए जोड़े यहां आ रहे हैं।

टिहरी का टेंट सिटी के रूप में विकसित होना इसकी एक उल्लेखनीय विशेषता है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर काम करने वाला यह उद्यम विवाह के लिए इसे उपयुक्त बना देता है। टिहरी की शांत झील, भव्य टेंट और समकालीन सुविधाओं से इसका युक्त होना विवाह समारोहों के लिए इसे विशेष बना देता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उत्तराखंड डेस्टिनेश वेडिंग के लिए सबसे तेजी से उभरते राज्यों में एक बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है। उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ विवाह स्थल बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विचार राज्य की असीम संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है। इसलिए उत्तराखंड सरकार टिहरी को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने पर ध्यान दे रही है। शादियों के माध्यम से घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने का यह प्रयास सराहनीय है। यह कहीं न कहीं से स्थानीय निवासियों और उद्यमों का भी समर्थन करता है।

टिहरी के आकर्षण को और बढ़ाने के लिए जल्द ही त्रियुगीनारायण मंदिर के लिए एक हेलिकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। यह सेवा आगंतुकों, विशेष रूप से इस पवित्र मंदिर में विवाह करने के इच्छुक जोड़ों को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव और पार्वती के विवाह का स्थल माना जाता है। विवाह की रस्मों के बाद टिहरी के सुरम्य परिवेश में विवाह समारोह को जारी रखा जा सकता है, जो आध्यात्मिकता और उत्सव का सुंदर मेल है।

इसके अलावा, टिहरी के आस-पास के कुछ गांवों को होमस्टे गांवों के रूप में विकसित करने की दिशा में काम करने का फैसला लिया गया है। ये होमस्टे पारंपरिक आतिथ्य का बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के साथ ही उत्तम सुविधाओं से युक्त हैं। इससे शादी में आए मेहमानों को यहां की संस्कृति को करीब से समझने का भी अवसर मिलता है। धामी सरकार का होमस्टे का यह प्रयास न केवल शादी के अनुभव को और आकर्षक बनाता है, बल्कि नागरिकों के लिए वित्तीय संभावनाएं भी प्रदान करता है। इससे वैवाहिक उत्सव के साथ ही स्थायी पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है।

कोटी कॉलोनी से डोबरा चांठी ब्रिज तक चार लेन की रिंग रोड से कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा, जिससे यह जगह यात्रियों और शादी समारोहों के लिए अधिक सुलभ हो जाएगी। इस रिंग रोड में मनोरम दृश्य और फेरी के लिए विशेष स्थान भी होंगे, जो क्षेत्र के स्थानीय आकर्षण को चार चांद लगाएंगे। यह सड़क चार धाम तीर्थयात्रियों के लिए एक आवश्यक मार्ग के

रूप में भी काम करेगी, जिसमें एडवेंचर और सांस्कृतिक पर्यटन के साथ ही आध्यात्मिक पर्यटन का भी पर्यटक लाभ ले सकेंगे।

टिहरी झील का हो रहा एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में विकास

शादी के लिए आकर्षण का केंद्र बनने के साथ-साथ टिहरी अब एडवेंचर प्रेमियों के लिए भी आदर्श डेस्टिनेशन बनने जा रहा है। उत्तराखंड

पर्यटन
और उ
खेलों
कर रहा
लागत
के लिए
इस
नवीनी
सिडकु
यहां लो
रोपवे
क्षेत्र के
विस्तार
चांठी में
भी शा
करने
आनंद
भी प्रमु
इसमें
जैसी ग
पैराग्ल
एडवेंच
अब त
के रूप
इन
लिए ए
क्रियान्वि
स्थलों
सरकार
भी विशे
है कि
प्राकृति
जल
योजना
का निम
की समृ
यात्री
यात्रा
होने
में कार्य
बढ़ेगा।
सांस्कृ

ओ एक पौधा
वश्य लगाएं,
कृति को बचाएं।
For Classes Nursery LKG & UKG
✆7055515681, 7055515683
Padampur Devaliya, Motahaldu, Haldwani (Nainital)

गुरुरानी फैशन हब
7060517744
लेडीज जेन्ट्स एंड किड्स वेयर

ान उत्तराखंड

स्तार देती
-30

ंड सतत एवं समावेशी
नकता उत्तराखंड के
की है और इस दिशा में
ए जा रहे हैं।

पर्यटन नीति 2023-30 का य की असीम संभावनाओं त विकास में परिवर्तित इससे उत्तराखंड को बेहतर डेस्टिनेशन बनाने में बड़ी लेगी। नीति के माध्यम से धारकों के सशक्तीकरण ज़ोर दिया जा रहा है।

सालाना 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर और निजी निवेश को आकर्षित करने के साथ उत्तराखंड एक स्थायी पर्यटन का निर्माण कर रहा है। इससे रोजगार की देशी यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद त बुनियादी ढांचे को स्थापित करना, नए रना और विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान मंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य । नवाचार, स्थिरता और समावेशिता के रखरखाव पर्यटन की आशा से दुनिया भर के हा है।

उत्तराखंड अपने सुरम्य हिमालयी क्षेत्रों, पवित्र तीर्थ स्थलों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। यहां का वैभव, रोमांच, आध्यात्मिकता और पारंपरिक सेवा-सत्कार जीवनभर न भूलने वाला अनुभव प्रदान करते हैं।

देश के उत्तरी भाग में स्थित उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। राज्य अपने सुरम्य हिमालयी क्षेत्रों, पवित्र तीर्थ स्थलों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां वैभव, रोमांच,आध्यात्मिकता और पारंपरिक आतिथ्य का ऐसा अनुभव मिलता है, जो वैश्विक स्तर पर भी सैलानियों के बीच इसे आदर्श पर्यटक गंतव्य बनाता है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा कनेक्टिविटी, होमस्टे, पर्यटक ट्रेनें, अंतरिक्ष में तारों को देखने का अनुभव व रहस्यमयी ओम पर्वत इसे विशेष बना देते हैं।

मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन: सुखद आध्यात्मिक यात्रा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रभावी कदम के रूप में मानसखंड एक्सप्रेस - भारत गौरव पर्यटक ट्रेन शुरू की गई है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के साथ गठबंधन में आईआरसीटीसी द्वारा संचालित यह ट्रेन कुमाऊं क्षेत्र में कई जगह की सैर कराती है। भारतीय शास्त्रों में कुमाऊं को मानसखंड कहा

मानसखंड एक्सप्रेस देश के बाकी हिस्सों को उत्तराखंड से जोड़ेगी

जाता है। मानसखंड एक्सप्रेस की यात्रा 22 अप्रैल, 2024 को पुणे से शुरू हुई थी, जिसमें 280 यात्री सवार थे। उत्तराखंड की समृद्ध विरासत के चित्रण से सजी यह ट्रेन नैनीताल, भीमताल, अल्मोड़ा, चौकोरी, पूर्णागिरी मंदिर आदि सहित कई स्थलों की यात्रा कराती है। यात्रा पैकेज में आरामदायक ट्रेन यात्रा, होटल में ठहरना, होमस्टे, भ्रमण,भोजन और यात्रा बीमा शामिल हैं। टनकपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर आगंतुकों का पारंपरिक

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

प्राकृतिक सुंदरता और रोमांच का करें अनुभव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मानसखंड मंदिर माला मिशन के हिस्से जागेश्वर धाम मंदिर का दौरा करते हुए

भारतीय शैली में आरती, टीका और फूलों की पंखुड़ियों से स्वागत किया जाता है। ट्रेन की पेंट्री कार में उत्तराखंडी व्यंजनों समेत कई तरह के व्यंजन परोसे जाते हैं, जो पर्यटकों के लिए सांस्कृतिक आकर्षण को समृद्ध बनाते हैं।

तारा मंडल के दर्शन: उत्तराखंड से देखें अद्भुत नजारा

उत्तराखंड में रात का आसमान और न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण होने के चलते यह तारों को देखने के लिए सही जगह है। यहां कई सितारों से सजे आसमान के शानदार नजारे देखे जा सकते हैं, जो खगोल विज्ञान पसंद करने वालों और प्रकृति प्रेमियों को यादगार अनुभव देते हैं।

मुक्तेश्वर: यह एक छोटा शहर है, जो आसमान के अद्भुत नजारों के लिए खगोल प्रेमी फोटोग्राफरों की पसंद डेस्टिनेशन है।
ऊखीमठ में देवरिया ताल: हिमालय की चोटियों के बीच एक शांत झील,जो रात में कैंपिंग और सितारों को देखने के लिए बेहतरीन स्थानों में से एक है।
रानीखेत में मजखली: सुरम्य इलाकों के लिए प्रसिद्ध, मजखली सितारों को देखने के लिए आदर्श स्थान है।
उत्तरकाशी में केदारकांठा: सर्दियों के ट्रेक के रूप में प्रसिद्ध केदारकांठा ट्रेक, भी सितारों को देखने के लिए मनोरम जगह है।
मसूरी में जॉर्ज एवरेस्ट पीक: रात के साफ आसमान में देहरादून से आकाशगंगा के सुंदर दृश्य देखे जा सकते हैं।
पिथौरागढ़ में मुनस्यारी: यह हिमालयी शहर अंधेरे आसमान और पंचचूली चोटियों के लुभावने दृश्य प्रस्तुत करता है।

ओम पर्वत: एक पूजनीय पर्वत

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित ओम पर्वत एक पूजनीय स्थल है, जो अपनी विशिष्ट चट्टान संरचना के लिए प्रसिद्ध है और 'ओम' अक्षर के जैसा दिखाई देता है। हिंदू और बौद्ध दोनों ही इसे पवित्र मानते हैं और इसे भगवान शिव का घर माना जाता है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के हिस्से के रूप में ओम पर्वत पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को आध्यात्मिक शांति का अनुभव मिलता है। नबीधंग कैंप से दिखाई देने वाले शिखर का अपना चमत्कारिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। आस्था रखने वालों श्रद्धालुओं के बीच ओम पर्वत की बढ़ती लोकप्रियता एक तीर्थस्थल और प्रकृति की पवित्र कला के रूप में इसे प्रमुखता से उजागर करती है।

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर लगातार नीतिगत प्रयास और ध्यान देने से संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है। अपने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की प्रतिबद्धता ने न केवल इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।"

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

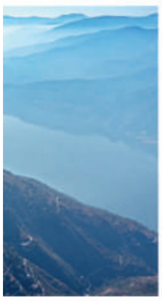

एडवेंचर
टिहरी

टनेशन और रोमांचक
पसंद बन रहा है।

विकास बोर्ड (UTDB) टिहरी झील सके आस-पास के क्षेत्र को रोमांचक के लिए उपयुक्त बनाने की दिशा में काम है। 7,708 करोड़ रुपये की अनुमानित से यात्रियों और स्थानीय निवासियों दोनों यह स्थल विशेष बनने जा रहा है। के तहत टिपरी मदन नेगी रोपवे का करण किया जाना है, जो वर्तमान में ल द्वारा संचालित है। इसके निर्माण से ग आसानी से पहुंच सकेंगे। साथ ही, के माध्यम से झील और आसपास के हवाई दृश्य का आनंद ले सकेंगे। इस योजना में हर्बल गार्डन और डोबरा एक पार्क का विकास किया जाना मल है। यह सैलानियों को शांति प्रदान के साथ ही प्राकृतिक भव्यता का भी देगा। टिहरी झील वाटर स्पोर्ट्स के लिए ख स्थल के रूप में विकसित होगी। कयाकिंग, जेट स्कीइंग और पैरासेलिंग तिविधियां शामिल होंगी। छात्रों को इडिंग का प्रशिक्षण देकर झील को र हब के रूप में विकसित किया जाएगा। क राज्य के 150 छात्रों को पैराग्लाइडर में प्रशिक्षित किया जा चुका है। गतिविधियों को समर्थन देने के क ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना न्वित की जा रही है, जो आस-पास के की भी जरूरतों को पूरा करेगी। धामी पर्यटन के विकास में पर्यावरण को शेष महत्व दे रही है। सरकार का प्रयास विकास की इस यात्रा में टिहरी की क सुंदरता बनी रहे।
ल और हवाई खेलों के अलावा, विकास में संग्रहालयों और सांस्कृतिक केंद्रों र्माण भी शामिल है। ये चीजें उत्तराखंड द्ध विरासत और इतिहास को दर्शाएंगी। मांच के साथ यहां की सांस्कृतिक का भी आनंद ले सकेंगे। यहां स्थापित ले संग्रहालय शैक्षणिक केंद्रों के रूप करेंगे, जिससे पर्यटकों का अनुभव धामी सरकार के इस पहल से राज्य की तिक संपदा को भी बढ़ावा मिलेगा।

बेहतर हो रही कनेक्टिविटी

उत्तराखंड के पर्यटन और आर्थिक विकास को दे रही बढ़ावा

उत्तराखंड में रेलमार्ग, राजमार्ग और हवाई यातायात के माध्यम से कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रयासों से न केवल यात्रा अधिक सुगम हो रही है, बल्कि पर्यटन और आर्थिक अवसरों का भी विस्तार हो रहा है।

उत्तराखंड अब रेलमार्ग, राजमार्ग और हवाई यातायात के लिए बेहतर सुविधाओं वाले राज्य के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में इस दिशा में अथक प्रयास किए जा रहे हैं। इससे न केवल यात्रा पहले से अधिक सुगम बन रही है, बल्कि पर्यटन और आर्थिक विकास के अवसरों का भी विस्तार हो रहा है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना

ऋषिकेश और कर्णप्रयाग के बीच 125 किलोमीटर की ब्रॉड-गेज रेलवे लाइन राज्य के परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाता है। पहाड़ के बीच में रेल मार्ग का निर्माण और इसके माध्यम से यात्रा निश्चित तौर पर सुखद अहसास कराएगी। 2010-11 में रेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित यह उपक्रम तीर्थ स्थलों तक आरामदायक यात्रा कराने, नए व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ने और पिछड़े क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने का प्रयास है। देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली से होकर गुजरने वाली यह रेलवे लाइन देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। इस परियोजना में व्यापक सुरंग निर्माण कार्य शामिल है, जिसमें 83.07% मार्ग सुरंगों से बना है, जिसमें 16 मुख्य सुरंगें और 12 एस्केप टनल शामिल हैं। सबसे लंबी सुरंग 14.58 किलोमीटर लंबी होगी। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना के पूरा होने से यात्रा की अवधि और खर्च में कमी आएगी। इससे औद्योगिक विकास की संभावनाओं के द्वार खुलेंगे, कुटीर उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा और पर्यटन का विस्तार होगा।

सुरंग निर्माण में रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियां
44.7 महीनों में 25 किलोमीटर एनएटीएम (न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड) खुदाई का पूरा होना ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसने देश में सबसे तेज सुरंग निर्माण का नया रिकॉर्ड बना है। परियोजना ने 23 अगस्त, 2022 को एक ही दिन में 107.9 मीटर सुरंग बनाकर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। ऐसी उपलब्धियां उपयोग की जा रही अत्याधुनिक तकनीक के साथ-साथ धामी सरकार की प्रतिबद्धता को भी भी उजागर करती हैं।

- एलएंडटी के ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे टनल पैकेज-2 ने 19 मई को मात्र 44.7 महीनों में 25 किलोमीटर एनएटीएम खुदाई पूरी कर ली है, जबकि उद्योग के मानकों के अनुसार इसमें 5 से 7 साल लगते हैं। पैकेज का विस्तार उत्तराखंड के शिवपुरी से ब्यासी गांव तक फैला हुआ है। यह भारत में अब तक की सबसे तेज 25 किलोमीटर सुरंग खोदने की प्रक्रिया है।
- परियोजना टीम ने 23 अगस्त, 2022 को एक दिन में 107.9 मीटर सुरंग खोदकर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है।
- सुरंग की खुदाई पीक टाइम के दौरान 16 मोर्चों पर की गई, जिनमें से 8 मोर्चों पर पिछले साल ही सफलता मिल चुकी है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

आगामी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे दिल्ली और उत्तराखंड के बीच सड़क मार्ग की यात्रा को नया अनुभव देने के लिए तैयार है। इसके मई 2025 तक चालू होने की परिकल्पना की गई है। 210 किलोमीटर का यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा की अवधि को 5 घंटे से घटाकर 2.5 घंटे कर देगा। आठ लेन तक विस्तार किए जा सकने वाला यह छह लेन का राजमार्ग न केवल ट्रैफिक को कम करेगा, बल्कि इसके माध्यम से आवासीय और रिटेल मार्केट को भी बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का एक उल्लेखनीय पहलू इसका वन्यजीव गलियारा है, जो स्थानीय जीवों को बचाने के लिए विकसित किया गया 12 किलोमीटर का एलिवेटेड फ्लाईओवर है। इसके निर्माण में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ ही पर्यावरण का ध्यान दिया जा रहा है। एक्सप्रेसवे का चरणबद्ध निर्माण पूरा होने वाला है। इससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

हवाई कनेक्टिविटी

हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाना उत्तराखंड की विकास योजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। उड़ान क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत शुरू की गई देहरादून-पिथौरागढ़ उड़ान सेवा ने दोनों शहरों के बीच यात्रा की अवधि को सड़क मार्ग से 12-15 घंटे से घटाकर केवल 60 मिनट कर दिया है। यह सेवा कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच संपर्क में सुधार करती है, जिससे पर्यटन और वित्तीय गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, मार्च 2024 में देहरादून से अयोध्या, वाराणसी और अमृतसर के लिए नई उड़ानें शुरू की गई हैं। इससे राज्य के हवाई नेटवर्क को बढ़ावा मिला है। ये बातें पर्यटन स्थल के रूप में उत्तराखंड के महत्व को और भी बढ़ावा देती हैं। जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन को देखते हुए अयोध्या के लिए उड़ानों की शुरुआत विशेष रूप से उल्लेखनीय कदम है।

रेलवे नेटवर्क को बढ़ाना

टनकपुर-देहरादून साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन क्षेत्र में रेलवे संपर्क में पर्याप्त वृद्धि की गई है। विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों को जोड़ते हुए, यह स्थानीय यात्रियों के लिए सुगम यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। अमृत भारत स्टेशन योजना उत्तराखंड में छह स्टेशनों का पुनर्निर्माण कर रही है, साथ ही रेलवे के बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता को भी बढ़ा रही है। देहरादून, आनंद विहार और लखनऊ जैसे अन्य प्रमुख शहरों के बीच वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत राज्य के अपने रेल नेटवर्क को अपडेट करने के प्रति समर्पण का प्रमाण है। देहरादून से अयोध्या, वाराणसी, काठगोदाम और देहरादून के बीच एक दिन की सेवा सहित अतिरिक्त वंदे भारत मार्गों की योजनाएं कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी, जिससे यात्रा आरामदायक बनेंगी।

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

कनेक्टिविटी को विस्तार देता ऋषिकेश रेलवे स्टेशन

उत्तराखंड के लिए केदार बद्री कार्तिक (मुरुगन) कोइल यथिरई एक्सप्रेस ट्रेन चेन्नई के मदुरै से शुरू

उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड ने आईआरसीटीसी के सहयोग से गढ़वाल क्षेत्र की यात्रा के लिए केदार बद्री कार्तिक (मुरुगन) कोइल यथिरई नामक पर्यटक ट्रेन शुरू की है। यह ट्रेन मदुरै से रवाना होकर चेन्नई, विजयवाड़ा, वारंगल, नागपुर, भोपाल, झांसी, ग्वालियर, आगरा आदि होते हुए उत्तराखंड के योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पहुंचती है। कार्तिक स्वामी मंदिर रुद्रप्रयाग जिले के पवित्र पर्यटन स्थलों में से एक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव के पुत्र भगवान कार्तिकेय अपने माता-पिता से नाराज होकर यहां आए थे और फिर उन्होंने अपने शरीर की हड्डियां अपने पिता को और मांस अपनी मां को दे दिया था। ये हड्डियां आज भी मंदिर में मौजूद हैं, जिनकी पूजा हजारों भक्त करते हैं। दक्षिण भारत में भगवान मुरुगन के नाम से प्रसिद्ध भगवान कार्तिकेय का यह एकमात्र मंदिर है, जो उत्तर भारत में स्थित है।

PIC: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

उत्तराखंड में परिवहन के क्षेत्र में कई रोपवे परियोजनाओं के विकास के साथ एक परिवर्तनकारी चरण देखा जा रहा है, जो केंद्र सरकार की पर्वतमाला योजना का हिस्सा हैं

उत्तराखंड अपनी सुंदर प्राकृतिक भूभाग और आध्यात्मिक स्थलों के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यहां परिवहन के क्षेत्र में कई रोपवे परियोजनाओं के विकास के साथ परिवर्तनकारी पहल देखी जा रही है। ये प्रयास केंद्र सरकार की पर्वतमाला योजना का हिस्सा हैं, जो स्थानीय लोगों और सैलानियों दोनों के लिए प्रदूषण मुक्त परिवहन की सुविधा प्रदान करती है। ये रोपवे प्रणालियां इस क्षेत्र की यात्रा में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं, जो परिवहन के पारंपरिक साधनों के लिए कुशल, पर्यावरण के अनुकूल और मनोरम विकल्प प्रदान करती हैं।

कद्दूखाल-सिद्धपीठ देवी रोपवे परियोजना

उत्तराखंड के रोपवे नेटवर्क में उल्लेखनीय बदलावों में से एक कद्दूखाल-सिद्धपीठ देवी रोपवे है। मई 2022 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा इसका लोकार्पण किया गया था। निर्माण के बाद से ही इस रोपवे ने आध्यात्मिक पर्यटन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इससे पहले, भक्तों और सैलानियों को पूजनीय मां सुरकंडा देवी मंदिर तक पहुंचने के लिए दो घंटे की कठिन चढ़ाई करनी पड़ती थी। वर्तमान में, लगभग 5 करोड़ रुपये के लागत से निर्मित 502 मीटर लंबा रोपवे प्रति घंटे 500 पर्यटकों को ले जा सकता है, जिससे यात्रा की अवधि और संघर्ष दोनों ही कम हो गया है।

इस परियोजना ने न केवल मंदिर तक पहुंच को आसान बनाया है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आजीविका की संभावनाओं में सुधार किया है, जिससे यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिला है। रोपवे, रोमांच और आध्यात्मिक पर्यटन की सुविधा प्रदान करता है, जिससे पर्यटक अधिक संख्या में यहां पहुंच रहे हैं।

हेमकुंड रोपवे परियोजना

हेमकुंड रोपवे परियोजना पर्वतमाला योजना के तहत एक और उद्यमशील प्रयास है, जो पवित्र हेमकुंड साहिब से कनेक्टिविटी में सुधार करने का प्रयास कर रहा है। नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व के भीतर स्थित, यह परियोजना तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए सुरक्षित और उपयुक्त यात्रा विकल्प प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम है। रोपवे गोविंद घाट से गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब तक 13 किमी की दूरी तय करता है, जिससे तीर्थ स्थल तक पहुंचने में आने वाली कठिनाई कम हो सकेगी।

परियोजना को दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में घांघरिया से गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब तक के हिस्से पर ध्यान दिया गया है, जबकि दूसरे चरण में गोविंद घाट से घांघरिया तक तीन संबंधित प्रभाग शामिल हैं। प्रस्तावित 12.5 किलोमीटर का रोपवे हेमकुंड साहिब तक की यात्रा को लगभग 45 मिनट में पूरा कर देगा, जिसके लिए 12 घंटे की यात्रा करनी पड़ती है। इस प्रगति से न केवल पर्यटकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय निवासियों के भी आय के अवसर बढ़ेंगे।

केदारनाथ रोपवे परियोजना

सभी परियोजनाओं में सबसे रोमांचक परियोजना केदारनाथ रोपवे है, जो समुद्र तल से 11,500 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे लंबा रोपवे स्थापित करने का प्रयास है। 11.5 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह रोपवे सोनप्रयाग को रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ मंदिर से जोड़ेगा। वर्तमान में, तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड से केदारनाथ तक 16 किलोमीटर की कठिन यात्रा से होकर जाना पड़ता है, जिसमें पूरा दिन लग जाता है। वहीं, नए रोपवे उन्हें मात्र 60 मिनट में मंदिर तक पहुंचने में मदद करेगा।

केदारनाथ रोपवे की एक विशेषता यह भी है कि इसके पूरा होने के बाद प्रति घंटे लगभग 3,600 यात्री केदारनाथ तक पहुंच सकेंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि यह दुनिया का सबसे ऊंचा रोपवे में से एक होगा। इसके पूरा होने से न केवल यात्रा सुगम हो जाएगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटक व तीर्थयात्री अपनी यात्रा के दौरान हिमालय के सुंदरतम हवाई दृश्यों का आनंद ले सकेंगे।

देहरादून-मसूरी रोपवे परियोजना

देहरादून-मसूरी रोपवे परियोजना (डीएमआरपी) महानगरीय गतिशीलता को बढ़ाने के साथ ही पर्यटन के बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण पहल है। 5.5 किलोमीटर लंबा भारत का सबसे लंबा रोपवे बनने वाला यह उपक्रम उत्तराखंड के दो सबसे अधिक देखे जाने वाले शहरों देहरादून और मसूरी के बीच की दूरी को कम करने में सक्षम होगा। इसका निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और पहले चरण के लिए अनुमानित समापन तिथि सितंबर 2026 की है।

वर्तमान में, देहरादून और मसूरी के बीच 33 किलोमीटर लंबी सड़क यात्रा में यातायात के कारण 1.5 से 3 घंटे लगते हैं। रोपवे इस यात्रा के समय को घटाकर केवल 15 मिनट कर देगा, जिसमें 10-सीटर डायमंड केबिन बनाए गए हैं, जो प्रति घंटे 1,300 यात्रियों को ले जा सकते हैं। परियोजना की अनुमानित लागत 300 करोड़ रुपये है और यह यात्रा के अनुभव को सुखद और विस्तार देने वाला है।

देहरादून-मसूरी रोपवे को साल भर काम करने के लिए विकसित किया गया है, जो इसे पर्यटन और शहरी दोनों उद्देश्यों के लिए एक अहम प्रोजेक्ट बनाता है। इसकी अत्याधुनिक तकनीक परिवहन को सुरक्षित बनाती है, जिसमें रोजगार सृजन के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने की भी क्षमता है। साथ ही, यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल साबित होगी।

उत्तराखंड में रोपवे परियोजनाएं बुनियादी ढांचे के विकास से कहीं बढ़कर हैं, जो पर्यटन और परिवहन के लिए राज्य की रणनीति में एक आदर्श बदलाव को दर्शाती हैं। कुशल, पर्यावरण के अनुकूल और मनोरम संभावनाओं को प्रस्तुत करके, ये उपक्रम निश्चित रूप से लाखों पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाएंगे। इससे मिलने वाले लाभों में न केवल वृद्धि होगी, आध्यात्मिक और पर्यटन स्थलों तक लोग सहजता से पहुंच सकेंगे, बल्कि स्थानीय निवासियों के वित्तीय उत्थान का भी यह साक्षी बनेगा।

Text by Tanesh Dutta

News कॉर्नर

शुरूआती बरसात में ही सिस्टम की खुल रही पोलः मनोज शर्मा

नैनीताल। भीमताल विधानसभा से कांग्रेस नेता मनोज शर्मा ने बयान जारी कर , सरकार पर आरोप लगा कि सरकारी तंत्र की घोर असवेदनशीलता के परिणामस्वरूप भीमताल विधानसभा के सभी क्षेत्रों की सड़कें चाहे मुख्य मार्ग हो या लिंक मार्ग हो , शुरूआती बरसात में ही सिस्टम की पोल खोल रहे है। मोटरमार्गों में पानी के निकास की व्यवस्था ना होने वर्षों से नालियों की सफाई ना होने की वजह से बारिश का पानी सड़को में बह रहा है और सड़कें गड्ढो से पटी पड़ी है लगातार बारिश के कारण गड्ढे पानी से भर गये है सड़को में गड्ढे पानी से भरे होने के कारण दिख नही रहे है। जनप्रतिनिधि अपनी उदासीनता से बंद हो रही सड़को से मलवा हटाने को ही अपनी उपलब्धि के रूप में दिखाने के प्रयास में मस्त है जबकि सच्चाई अलग है कि समय रहते ये जनप्रतिनिधि सजग रहे होते तो मलवा साफ करने को ही अपनी सफलता नही बताते , हैड़ाखान मोटरमार्ग जो कई जिले को एक दूसरे जोड़ता है प्रदेश के मुख्यमंत्री की विधानसभा जिस मोटरमार्ग से जुड़ती है कई वर्षों से बदहाल है कोई सुनने वाला नही है। बबियाड-टपूवा-दुदुली मोटरमार्ग मौत की खाई बन चुका है। बबियाड ग्राम सभा का गैराखान-कैलाशद्वार मोटरमार्ग मोटरमार्ग कई वर्षों से पूर्ण रूप से बंद पड़ा है। मोटरमार्ग की बदहाली व बंद होने के कारण आधा गाँव पलायन कर चुका है जनजीवन बदहाल हो चुका है।

मुलाकातः विधायक अरोरा नदी किनारे बसे क्षेत्रों में पहुंचे

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

विधायक शिव अरोरा ने नदी किनारे लगे हुए क्षेत्र में पहुंचे और उन्होंने लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस समस्या का निकाला जाएगा। जिनको कुछ समय पूर्व प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नोटिस थामाए गए हैं।

उन्हें आवश्यक रूप से हटाया नहीं जाएगा। विधायक शिव अरोरा बरसात के बीच पैदल संजय नगर खेड़ा, जगतपुरा, अरविन्द नगर, मुखर्जी नगर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगो के संग उनके क्षेत्र मे 20-20 मीटर तक लगाये गये अतिक्रमण के निशान भी देखें। विधायक ने हर जगह पर

नदी के स्वरूप आकार को देखा ओर बोले निश्चित रूप से एक गरीब के लिये उनका आशियाना उसके जीवन भर की पूंजी मेहनत की कमाई होती है,जनता का विधायक हूँ ओर सदैव जनहित को सर्वोपरि रख के कार्य करने मे विश्वास रखता हूँ ऐसे मे प्रशासन द्वारा थामये गये नोटिस से लोगो मे भय का वातावरण है,मगर हमको नदी के स्वरूप को भी ध्यान रखना चाहिए। वह अपने न्यूनतम आकार मे रहते हुए पानी की निकासी करती रहे जिससे क्षेत्र मे जलभराव की स्थिति न हो हमने नदी के अस्तित्व को बचाते हुए ओर लोगो का कम से कम नुकसान के साथ ऐसे कार्य करना है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से अनावश्यक रूप से किसी को हटाया नहीं दिया जाएगा।नदी जद में आ रहे या बिलकुल समीप बने मकाने जो बिलकुल हटाना मजबूरी हुई तो उनके लिए पहले पुनर्वास व्यवस्था करवाई जाएगी, कल्याणी, बेगूल नदी का स्वरूप बना रहे है यह भी शहरी व बस्ती क्षेत्र के लिये बहुत जरूरी है। उन्होंने संजय नगर खेड़ा बसंती मंदिर मे पहुंच लोगो को भरोसा दिया कि इसका समधान निकलने के लिया शासन प्रशासन से लेकर जिस भी स्तर तक वार्ता करनी होंगी वार्ता करेंगे। अनावश्यक रूप से किसी के आशियाना उजड़ने नहीं देंगे। इस दौरान दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, केके दास, सुरेश कोली,राजेश जग्गा, किरण विर्क, रोबिन विश्वास,तरुण दत्ता, मयंक कक्कड़, मनोज मदान, अनमोल विर्क, डम्मी चोपडा आदि लोग मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भूकटाव, अफसरों ने किया निरीक्षण

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

नैनीताल जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बीते 24 घंटे में हल्द्वानी में रिकार्ड 206.0 एमएम बारिश हुई है। जिले भर में हल्द्वानी-कालाढूंगी-रामनगर मार्ग समेत 38 सड़कें बंद हैं। प्रशासनिक टीम लगातार राहत व बचाव कार्य में जुटी है। इधर गौला नदी ने गौलापार अंतर्राष्ट्रीय में भी भूकटाव शुरू कर दिया है।

जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र नैनीताल से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे में जिले भर में 85.3 एमएम औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

गौला, नंधौर व कोसी नदी का डिस्चार्ज भी लगातार बढ़ रहा है। जिले में लगातार बारिश के कारण खुटानी-धानाचूली-ओखलकांडा, मोरनौला-भीड़पानी-पतलोट, नौकुचियाताल-जंगलियागांव,

गौला नदी से अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में हुआ भूकटाव।

शहीद बलवंत सिंह मार्ग, भुजान-बेतालघाट, सिमलखां-सकदीना, बजून-अधौड़ा, अमृतपुर बानना, हरीशताल मार्ग, ढोलीगांव-कैड़ागांव मार्ग, फतेहपुरी-बेल समेत 38 मोटर मार्ग मलवा आदि गिर जाने से बंद हो गये हैं। इन मार्गों को खुलवाने के लिए जेसीबी लगाई गई है लेकिन लगातार बारिश राहत कार्य में अड़चन बन रही है।

आफत

- हल्द्वानी में रिकार्ड 206.0 एमएम बारिश
- कालाढूंगी रोड समेत 38 सड़कें बंद

क्रिकेट स्टेडियम को खतरा

हल्द्वानी। अंतराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में लगातार बारिश के बाद भूकटाव शुरू हो गया है। क्रिकेट स्टेडियम की पार्किंग के पास हुए भूकटाव का सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी व तहसीलदार सचिन कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान सहायक निदेशक खेल रशिका सिद्दीकी, उप क्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल भी मौजूद थे।

गांव में घुस रहे जंगल के पानी की निकासी कराई

हल्द्वानी। काठगोदाम के हीरागढ़ दिलीप सिंह के आबादी क्षेत्र में भी जंगल से पानी आने लगा। इस बीच स्थानीय निवासी कौशल जोशी ने खुद की मेहनत से पानी को गांव में आने से रोका और निकासी कराई। इधर रकसिया नाले की दीवार टूटने से पीलीकोठी क्षेत्र में मकानों को खतरा पैदा हो गया है।

रुद्रपुर मुख्य बाजार में भी पानी का जलभराव से दुकानदारों में हड़कंप

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

क्षेत्र में पिछले 48 घंटे से हो रही लगातार बारिश के बाद कल्याणी नदी ने आंखें तरेर ली है। शहर की कई कालोनियों में पानी घुस गया है। जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश यदि कुछ घंटे जारी रही तो मुसीबत का सबब बन सकती है। नदी में हुए अतिक्रमण की बजह से ऐसी स्थिति खड़ी हुई है।

रुद्रपुर के आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। बारिश से यूं तो जनपद की सभी नदियों का जल स्तर बढ़ा है, लेकिन रुद्रपुर की नदियों के समीप भूत बंगला, पहाड़गंज, रम्पुरा, संजय नगर खेड़ा आदि कालोनी में निचले स्तर में प्रवेश कर गया है। नदी के किनारे अतिक्रमण कर बने मकानों का चार चार फिट हिस्सा डूब गया। जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। क्षेत्र के लोगों की मानें तो यदि बारिश यूं ही जारी रही तो फिर सैकड़ों सैकड़ों लोगों को दूसरी जगह जाना पड़ेगा। नदी के ओवर फ्लू होने के पीछे अतिक्रमण मुख्य बजह बताई जा रही है। प्रशासन समय रहते एक भी अतिक्रमण नहीं हटा पाया है, जिससे पूरे शहर में आफत आ सकती है। उधर खटीमा में भी लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, नदियां पूरे शबाब पर है,तो शहरी क्षेत्रों का बुरा हाल हो गया। मुख्यमंत्री के गृह और आवास क्षेत्र से एक वीडियो समाने आई है।

वीडियो में सड़कें नदियों की तरह उफनाई हुई है तो मकान एक मंजिल तक डूब चुके हैं। मुख्यमंत्री आवास रोड स्थित मयूर कालोनी पूरी तरह डूब चुकी है। बताया जा रहा कि पास में ही मौजूद नदी में बाढ आने से ऐसी स्थिति खड़ी हुई है। प्रशासन जल निकासी के लिए जुटा हुआ है। जनपद के कई अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे ही हालात बताए जा रहे। प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने के साथ ही नदियों से दूर रहने का आहवान किया है।

बिजली की लाइनों में पेड़ गिर रहे हैं

नैनीताल। नगर तथा आस पास के क्षेत्रों में लगातार बारिश के साथ ही तेज हवाएं चलने की वजह से जगह जगह बिजली की लाइनों में पेड़ गिर रहे हैं जिससे बिजली की लाइनों में भी दिकतें आ रही हैं साथ ही शहरी और ग्रामीण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को ठंडी सडक् पर बिजली की लाइनों में पेड़ गिर गया जिसके कारण तल्लीताल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप रही वही भवाली में रेहड के जंगल में भी बिजली की लाइन पर पेड़ गिरा।

शगुन आंखर के साथ हरेला पखवाड़े की शुरुआत की

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा रविवार को नगर के पवेलियन होटल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में 21 टोकरियों में शगुन आंखर के साथ हरेला बो कर हरेला पखवाड़े की शुरुआत की।

क्लब की वरिष्ठ सदस्य गीता शाह के नेतृत्व में लेक सिटी वेलफेयर क्लब की अध्यक्ष ज्योति ढौंडियाल व सचिव दीपा पाण्डे तथा कार्यक्रम संयोजक डा. प्रगति जैन समेत संरक्षक मीनू बुधलाकोटी तथा शोभायात्रा संयोजक रानी साह, उपाध्यक्ष अमिता साह व सह संयोजक कंचन

जोशी, दीपिका बिनवाल, प्रेमा अधिकारी तथा रमा भट्ट सहित कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने में शगुन आंखर गायकों क्रमशः सुमन पंत, दीपा जोशी, कमला पाण्डे तथा नीमा जोशी द्वारा योगदान दिया गया। आयोजन अवसर पर क्लब की वरिष्ठ सदस्य जीवंती भट्ट, संगीता श्रीवास्तव, कविता त्रिपाठी, सीमा सेठ, रमा तिवारी, डा पल्लवी गहतोड़ी, रेखा पंत, सरिता त्रिपाठी तथा जया वर्मा, सरस्वती सिराला व नीलम गुप्ता आदि द्वारा योगदान दिया गया।

आफतः लगातार बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

नैनीताल

हमारे संवाददाता

लगातार हो रही बारिश ने आम आदमी का जन जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है हालत यह है बारिश की वजह से मोटर मार्गों के बंद होने से लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। रविवार को भी जिले में दो राज्य मार्गों समेत कुल 21 मोटर मार्ग जगह-जगह पर भूस्खलन व मलबा आदि आने से पूरी तरह बंद हो गए।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक क्रमशःशहीद बलबन्त सिंह मार्ग, पानकटारा मोटर मार्ग,छयूतियाकाण्डा मार्ग, मंगोली-खमारी थापला मार्ग, बजून- अधौडा, कैंची-हरतप्पा,पंगूट-

बगड तल्ला, घूघूखान-सौड,रूसी बाईपास मोटर मार्ग, देवीपुरा-सौड-बांसी मार्ग, हरीशताल मार्ग, ढोलीगाँव- कैडागाँव मार्ग,पदमपुरी-सुवाकोट मार्ग,लोहाली-थूवाब्लॉक, एचएमटी ब्रेबरी मार्ग फ तेहपुरी-बेल,बानना मोटर मार्ग,रातीघाट-बुधलाकोट मोटर मार्ग,देवीपुरा-सौड,फ तेहपुर- पीपलअणिया तथा हल्द्वानी-कालाढूंगी-रामनगर मार्ग वर्तमान में पूरी तरह से बंद पड़े हुए हैं।

उधर ज्योलीकोट-सरियाताल मोटर मोटर मार्ग में बलियानाले काजवे के नाले में बहकर बढ़े पत्थर आने से काजवे बंद होने पर मोटर मार्ग को नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। मामले में सरिताताल के ग्राम प्रधान हरगोविन्द सिंह रावत ने बताया कि कहा कि पत्थरों के गिरने से हर वक्त दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। रावत ने प्रांतीय खंड लोनिवि नैनीताल के अधिकारियों से गुजारिश की है कि वह अतिशीघ्र जे0सी0बी0 भेजकर पत्थरों को हटवाएं।

लगातार हो रही बारिश की वजह से जीवनदायिनी नैनी झील के जलस्तर में लगातार इजाफा होते जा रहा है। झील नियंत्रण कक्ष के प्रभारी रमेश सिंह गैड़ा के मुताबिक रविवार की सुबह झील का जलस्तर 5 फीट था जो शाम को 6 बजे बढ़कर 5 फीट 8 इंच पहुंच गया। बता दें कि शनिवार की शाम को 6 बजे झील का जलस्तर 4 फीट पहुंच गया था। इस प्रकार 24 घंटे